

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

समिन्तन ८० ॥ ३६६ ॥ ३६६ ॥ ३६६ ॥ ३६६ ॥

2528

ॐ नमः शिवाय नमः शिवाय नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॥
तन्माद्यद्यना सिद्धिया यलिया निथर्थ ॥ इयं को कुरु सकलसं ॥
लु सियाय खलिसाने वरुहल यकलक यो वक ॥ ॥ मूत्र सि
द्धिया कुरुमा वका कीलयाय ॥ नाट्य नमः क वनद्रि कलना
स मन्मथु जावन रुसक ॥ समय काय ॥ सति कुरु यद्य वाशि
द्धि कुरु या विधि ॥ धेउर निख कम् माल कायाय ॥ मूलनाट्य न
मः क युजा अन सूर्य मूखन ॥ माल काजावन यन समरु ॥ ॥

रुलसवरथयकं नय ॥ सुखयमुखन ॥ श्रुतादि वाक् ॥ यथैवाङ्गना ॥
 प्राण ॥ श्रीसंवत्सा ॥ श्रानन्दनकि ॥ सिद्धिलक्ष्म ॥ यथवान ॥ जिनत्वं ॥
 श्रवम् ॥ कृष्णदामप्रव ॥ जानकं तया ॥ यजुं न न संकल्पयावक ॥ श्रु
 तादि ॥ ॥ ॐ नमस्तुते वागवत ॥ मासनेक ॥ श्रुतकरमण ॥ श्रु
 मूकनामकस्य ॥ श्रुमूकनाटकस्य श्री ॥ सदानन्दनृत्त ॥ धनमहादेव वा
 य ॥ श्रावाधन यथाय वासयुजा कर्तुं श्री ॥ स्रुताय ॥ दं मर्धनम ॥ ॥
 श्रुननयूरधन ॥ यथासाक्षात् ॥ रुनवनदायि रुवन्तु ॥ यनवासन

वाय ॥ ऊलपाण ॥ श्रुतपाण वाय ॥ शुनूनमस्कात्र ॥ न्यास ॥ वनिसि न्यास
 नना निखा न्यास ॥ ॐ हूं हूं ॥ श्रुमाय रुट ॥ कलसाधनं ॥ ॐ हूं हूं ॥ श्रुमाय
 यथांनम ॥ ॐ हूं हूं ॥ श्रुमाय नम ॥ ॐ हूं हूं ॥ मरधमाया वीषट ॥ ॐ
 हूं हूं ॥ श्रुनामिको नम ॥ ॐ हूं हूं ॥ कनिषी वेषट ॥ ॐ श्रुमाय रुट ॥
 नव श्रुमाय ॥ ॥ ॐ हूं हूं ॥ हृदय नम ॥ ॐ हूं हूं ॥ मित्रमया स्वाहा ॥ ॐ
 हूं हूं ॥ निखायया वीषट ॥ ॐ हूं हूं ॥ कवचायया हूं ॥ ॐ हूं हूं ॥ ननु नयायया वष
 ट ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ श्रुमाय रुट ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ नित्यं न्यास ॥ ॥ नता नवा साद रु न्यास ॥

ऊ ल या उ य जा ॥ ॐ हूं हूं श्रीमहा न ल य ष्व त र त वा य डी मूं श्रीमहा न ल य ल
श्री भक्ति स हि ना य ॐ श्री ल या उ र दालि का य या दू कां ॥ ॐ व ३ ३ ॥ आ वा
ह न स्था य न व न ना क न य र्थ न म ॥ १ ॥ ध न मू दा उ र्ज य न ॥ १ ॥ ॐ हूं स ह
म वा ह य वि झ ह ना ल वा य धा म ह न ना न ल य य वा द या न ॥ ॥ न ना न ल य य
उ य जा ॥ ॥ ॐ हूं न्र या त्र डी थ या त्र डी या त्र या त्र न त्र हूं हूं स र्व न ४ स र्व स र्व डं
रं स ४ डी त्र डं त्र य ड ४ या दू कां ॥ ॐ हूं नं व ड कू कि ना डूं रं ला का क र्ष ना डी का मा
इ डा व ना डी सी म हा का र का वि ना नं सा स ४ भक्ति श्री या दू कां ॥ ॐ हूं न मा र ग व

श्रु या वा सु न २

ना डूं कू कि का ये डी डी हूं या त्र न्र या त्र न्र या त्र मू खि कां डी कि नि २ वि च्र या दू कां
॥ ॐ हूं न मा र ग व ना डूं कू कि का ये डी डी हूं ड ३ न म न्र या त्र मू खि कां डी कि
नि २ वि च्र या दू कां ॥ ॐ हूं न मा र ग व ना सि द डूं डी डूं कू कि क डूं डी डूं ख र ग
नं या त्र न्र या त्र न्र या त्र मू खि कां डी कि नि २ वि च्र या दू कां ॥ ॥ ॐ डी मूं श्री श्री न ल
ल श्री भक्ति स हि ना य हूं हूं श्रीमहा न ल य ष्व त र त वा य न्र य या नू ॥ १ ॥ र द
रि का ये या दू का ॥ ॥ ॐ व ३ ३ ॥ आ वा ह न स्था य न व न ना डूं कू न य र्थ
न म था नि मू दा उ र्ज य न ॥ ॥ न ना र न लु डि ॥ य र्व व नू ॥ डी न्र या त्र ॥ डी

लिंग ॥ कुं ना हो ॥ कुं द द य ॥ कुं क ल ॥ कुं ४ ल ला ट ॥ कुं ४ ल ला ट ॥ कुं क ल
 कुं द द य ॥ कुं ना हो ॥ कुं लिं ला ॥ कुं ना धात्र ॥ न ना ना सा यू जा ॥ कुं कुं कुं श्री महा
 न ल य ध्व त हो त वा य आत्मन य न न न म ॥ कुं कुं कुं श्री महा न ल य ध्व त हो त वा
 य आत्मन सि न्द्र न न म ॥ कुं कुं कुं श्री महा न ल य ध्व त हो त वा य आत्मन य न न न म
 न न म ॥ कुं कुं कुं श्री महा न ल य ध्व त हो त वा य आत्मन य न य र्थ न म ॥ कुं कुं कुं श्री म
 हा न ल य ध्व त हो त वा य आत्मन य न स र्व जन मा ह नी न म ॥ कुं कुं कुं श्री
 महा न ल य ध्व त हो त वा य कुं श्री महा न ल य ल क्ष्मी भक्ति सहि श्री य ना य

आत्मन न म यू ऊ या मि ॥ शिक्षात्र ३ ॥ य उ ४ ॥ आत्मन धू य न म ॥ आत्मन दी र्य न म
 ॥ आवाहन धाय न च न्द ना क न य र्थ न म ॥ यानि मू डा द र्भ य न ॥ नू ति आत्म यू जा वि
 धि ॥ ॥ न ना ना हा ल य सा यू जा ॥ कुं कुं नं ग य न म ॥ कुं कुं ऊ म ना य न म ॥ कुं कुं
 निर्म ला य न म ॥ कुं कुं का य दि न म ॥ कुं कुं भ त रु न म ॥ कुं कुं स त स ली न म ॥ कुं कुं म ध
 की न म ॥ कुं कुं क व मि की न म ॥ कुं कुं र म दा व ली न म ॥ स र्ग स मू उ खान म ॥ कुं कुं
 क ल वृ क्म हा स न सं मा ह न स क ल ती र्थ म नु द व ना क ला त ला धि य ट य
 व क्क वि षू तू डा स क आत्म वि द्या भि व त ला य कुं कुं स र्ग स मू क ल स मू र्क

यथादुर्कां पूजयामि ॥ विष्णुस्त ३ ॥ ॐ १० ॥ श्रावणं न भयनं पूज्यं नमः ॥ १५ नमूना द
र्शयन् ॥ ॥ श्रद्धादि ॥ यथा वाक् ॥ ॥ स्नान ॥ ॐ गङ्गायां संलिप्तं धर्मं नानायाय
यन्मननं । पूजकं स्थापय कानां स्नानार्थं सुखं ॥ ॥ क्षीर ॥ जय धीषूय
याह मोदि शान्तिं कुरु मिक । यथा धर्मस्य विर्गुनं क्षीर स्नानं यदौ कुरुतां ॥ ॥
दधि ॥ १५ ॥ १५ ॥ नानाया दधी पूज्यं । ममायति यत्नं च । नर्द धर्मस्य यामि स्नां सर्व या यद
यार्थकं ॥ ॥ घृत ॥ कथिलाया घृतं धर्मं । मलावत यदुह्वं । लस्क र्दव नायुर्ध
स्नानार्थं रोक यामिन ॥ ॥ मधू ॥ मधू मधू कर्त्तुं न । दवयितुं यमादकं । यायो

यनामनार्थं स्ना । मधू स्नानाय याम्यहं ॥ ॥ खान ॥ नानाद्रूपं सत्त्वं न । नर्कं त्रागु
उखादुर्कं । कामायणं नयायुर्धं । न स्नानं रोक यामिन ॥ ॥ श्लि स्नानं ॥ सूत्रा ग कि
४ शिवमार्त्तं । तन्ममित्यसमूहं । १५ ॥ सिद्धि यदं पूज्यं । मलि स्नानं ददाम्यहं ॥ ॥ ध
न धून नाव । यंचत्र लुगर्त्तं यादाव ॥ ॥ धलिवजिन । दवया धर्म खन नय ॥ ॥
चन्दन ॥ श्रीखण्ड चन्दनं दिव्यं । नक्षत्र सनमाह्व । आह्वितं ललातादं । चन्द
नं यतिष्ठ हितां ॥ चन्दनं लयितं पूज्यं । य विर्गुं यायनासन । आयदा रूपं न निर्णयं । ल
क्ष्मी त्रासे र्कं सदा निव ॥ ॥ सिद्धू ॥ वीर ध्वनी महा वीर । वीर एव विह्वलितं

ने लाक्षा कर्षणादवा. सिद्धाद्वाहनमूलमं. ॥ सिद्धांतिलकं च धृतद्वयलयाया
षविष्मसिनी आयूकं विप्रवर्द्धनी खलुसुखं. त्राह्णविनसामृतं. माहसर्वजनसदा
वशकत्री. लक्ष्मीसदासायन. मृत्पुंयुंजनकात्रयविजयन कामध्वनीयाउव ॥ ॥
दृष्टि ॥ सर्वमर्त्यकयाताल. चतुर्दशसूतमिक. दिव्यवक्त्ररुल्यदं. दृष्टिदृष्टीक
यामित ॥ ॥ ऊजमका ॥ ऊजयवीतं यत्रमंयविर्णं. यजायनजसुहसयत्रस्त्रा.
आयूकमर्णयथमवधुतं. ऊजयवीर्णयत्रममुनज ॥ ॥ अद्वयत्र ॥ सुलन
कलिमित्यादू. कृष्णमत्रर्णहवत्. वक्त्रहानिहवयार्त्र. क्लिन्नजात्राजहयानिच

॥ ॥ यथ ॥ माल्यानिचसूतान्मनि. माल्यानिविष्मनिच। मयाकृतानियूष्यानि. नृक
तांतिदिवध्वत्री ॥ ॥ कर्णयताय ॥ कर्णार्थयूगलंवेव. यताकावर्णसंयु
तं। दि. ॥ ॥ लाफय. तद्वृहानयत्रमध्वत्री ॥ ॥ यथयताय ॥ यथवर्ण
यताकंचयं चरुनात्मनूयण. यंजवर्णरुल्यदं. दृष्टीकयामिचत्रमध्व
त्री ॥ ॥ यीनवासन ॥ असादृष्टकृतयण. मनुसिद्धिचजायता। उवर्ण
जितमानन. तनुनायीनवासक ॥ सर्वसिद्धिकर्तृयार्क. सर्वयायकयं
यत्र। सर्वदायकयं अन्नि. यीनवासं नृहानुत् ॥ ॥ तायनहाल ॥ ॥

नाजायक यनं न स्यात् नाजयाया ह लघुर्द । न हा ल द हि म नि र्थं शु रं कानि
व द् य ४ य ला ॥ ॥ य द् मा र ॥ कू द् लि का द् वं कृ र्ं वि न्न म नि स मूर् र् म ।
म ना स्म न्या दि द व जि सं वृ र्ं यु नि न् कृ ता ॥ ॥ ध न धू न का ज् ज व खिं
ख व खिं या न ख लि क चा या व ध या द व न् ना य न हा ल ॥ ॥ य ल स ष या न
म सु न रु का चा या व ना य न हा ला ज न य ॥ ॥ पू जा जा वा या व ह य ॥ वा
ऊ न या र्ं यु दा य वा या ज न य ॥ ॥ ऊ व खिं ऊ व व द् लि द व या ऊ व र्ं न
य ॥ ख व खिं ख उ व द् लि द व या ख व र्ं न य ॥ ॥ ध न धू न का ज् द व या

म र ष्म स ना ल लं द द्रा हा ल ना ल य नि ॥ ध र् य त्रा म क्क स मु त्र मु य ल स
रू ली आ चू न म ध न रु का म र ष्म स न य ॥ य म ऊ व र्ं न य ॥ य म ख उ र्ं न
य ॥ ॥ ध न या र्ं स्ना न व न न सि न्दू ल त्र क न य स्ना य वी न यूर् य न य ॥ ॥
त्र व य ३ ॥ ॥ उं ऊं आ ल न त्वा य स्ना हा ॥ उं ऊं वि द्या न त्वा य स्ना हा ॥ उं ऊं
मि व न त्वा य स्ना हा ॥ ॥ त्र द्या दि वा क्क व र्ण न ॥ ॥ न ता रु त्र न म स्का त्र ॥
चं ऊं ञ्ं कुं क्क त्र ख ल म ल ला का र्ं श्या क ऊ न व त्रा व र्ं न त्वा र्ं द जि न ऊ न न
स्मि श्रा रु व न म ४ ॥ रु त्र व द्वा रु त्र वि ष् रु त्र द वाम रु ष् व र्ं १ रु त्र द व ऊ न

ख व वा हा उ स ॥ नं न म ॥ ऊ व का च ॥ यं न म ॥ ऊ व का ला श्रु ति ॥ टं न म ॥ ऊ व य वि ढ
 वा ॥ वं न म ॥ ख व वा उ ॥ कं न म ॥ ख व वू ला ॥ ऊं न म ॥ ख व का च ॥ ञं न म ॥ ख व
 का ला श्रु ति ॥ ङं न म ॥ ख व य वि ढ वा ॥ टं न म ॥ ऊ व क उ वू कू दि ॥ ० न म ॥
 ऊ व यू लि ॥ ३ न म ॥ ऊ व रु णि ॥ टं न म ॥ ऊ व का ० श्रु ति ॥ लं न म ॥ ऊ व का ० वा ॥ नं न
 म ॥ ख व क उ वू कू दि ॥ थं न म ॥ ख व यू ० ॥ टं न म ॥ ख व रु णि ॥ धं न म ॥ ख व का ० श्रु ति
 ॥ नं न म ॥ ख व का ० वा ॥ यं न म ॥ ऊ व श्रु का ॥ रं न म ॥ ख व श्रु का ॥ वं न म ॥ ना रि ॥
 रं न म ॥ य टं ॥ मं न म ॥ लू उ ग्व स ॥ यं न म ॥ कं थू ॥ त्रं न म ॥ ऊ व रु सू नी ॥ लं न म ॥ मि

स्वा॥ वैनम॥ खवदंसूनी॥ मैनम॥ लूवउ नउ वरा हा न हं॥ वैनम॥ लूवउ न खव
 रा हा न हं॥ सैनम॥ लूवउ नउ वया न हं॥ हैनम॥ लूवउ न खवया न हं॥ लैनम
 ॥ नूवउ न ना रि हं॥ केनम॥ नूवउ न दू थ हं॥ ॐ निमाल का या स ४॥ ॥ अथ ४
 भिखाया स॥ ॐ ॥ ॐ ॐ ४ अस्माय रुट॥ कलसा धन॥ ४॥ ॐ ॐ ॐ अस्माय नम॥
 ॐ ॐ ॐ तर्क नीत्या नम॥ ॐ ॐ मधु मा लो नम॥ ॐ ॐ अना मि का या नम॥ ॐ ॐ क
 निष्ठा या नम॥ ॐ ॐ ४ कल न न य या नम॥ ॥ ॐ ॐ हृदया य नम॥ ॐ ॐ मि
 ल स सा ह॥ ॐ ॐ भिखा य व वट॥ ॐ ॐ क व या य दू॥ ॐ ॐ न व य य वी वट॥

ॐ ॐ ४ अस्माय रुट॥ ॐ निमाल का या स॥ ॥ न ना व कु न्या स॥ ॥ ॐ ॐ ॐ उ र्व
 का य नम॥ ॐ ॐ ॐ य व व का य नम॥ ॐ ॐ द क्षिण व का य नम॥ ॐ ॐ उ र्व व
 का य नम॥ ॐ ॐ ॐ य वि म व का य नम॥ ॐ ॐ ४ य त्रा य त्र व का य नम॥ ॐ निव
 कू न्या स॥ ॥ न ना न वा न्या न्या स॥ ॥ ॐ ॐ ॐ अस्माय रुट॥ कलसा धन॥ ४॥ ॐ
 ॐ ॐ अस्माय नम॥ ॐ ॐ ॐ तर्क न्या य नम॥ ॐ ॐ लं म धु मा य नम॥ ॐ ॐ अ
 अना मि का य नम॥ ॐ ॐ ॐ क निष्ठा या नम॥ ॥ ॐ ॐ ॐ अस्माय कल न
 न य या नम॥ कल न्या स॥ ॥ ॐ ॐ ॐ हृदया य नम॥ ॐ ॐ ॐ मि न स

स्वाहा ॥ ॐ हूं लं मिखाय वषट् ॥ ॐ हूं शं कवचाय हुं ॥ ॐ हूं उं नृगयाय वो
षट् ॥ ॐ हूं नं नृसाय रुट् ॥ ॐ ति नं न्यास ॥ ॥ ॐ हूं हं ४ मिखा स्तान यादू कां ॥
ॐ हूं सं मित्र स्तान यादू कां ॥ ॐ हूं हं सलाट यादू कां ॥ ॐ हूं मं वकु मयु सयादू
कां ॥ ॐ हूं लं दद याय यादू कां ॥ ॐ हूं वं नालो यादू कां ॥ ॐ हूं तं यु झ यादू कां ॥ ॐ
हूं यं जानो यादू कां ॥ ॐ हूं उं याद दय यादू कां ॥ नं नृसाय रुट् ॥ ॐ ति नं न्यास
हं न्यास ॥ ॥ नं तां नृयात्र न्यास ॥ ॥ हुं ४ महाया यु या तां साय हुं रुट् ॥ नृ
यात्र कां नृयु स्या स्यां नम ॥ ॐ हूं थयात्र कां तं कु नी खान म ॥ ॐ हूं यात्र यात्र क

त्र हूं हुं म ध्व मा स्यां नम ॥ ॐ हूं सर्व तं ४ सर्व सर्व हं नृनामिका स्यां नम ॥ ॐ हूं
हं स ४ कां त्रुड त्रुय कनिष्ठा स्यां नम ॥ ॐ हूं हुं महाया यु या तां साय हुं रुट् कल न
त्रय स्या स्यां नम ॥ ॐ ति कल न्यास ॥ ॥ ॐ हूं नृयात्र कां दद याय नम ॥ ॐ हूं थ
यात्र कां मित्र स स्वाहा ॥ ॐ हूं यात्र यात्र नृत्र हूं रु मिखाय वषट् ॥ ॐ हूं सर्व तं ४
सर्व सर्व कवचाय हुं ॥ ॐ हूं हं स ४ कां त्रुड त्रुय नृगयाय वोषट् ॥ ॐ हूं हुं ४ म
हाया यु या तां साय हुं रुट् ॥ ॐ ति नं न्यास ॥ ॥ नं तां जल यात्रे य जा ॥ ॥ ॐ हूं
ॐ श्री महा नृय स्व तं त्रवाय कां ॐ श्री महा नृय स स्त्री धाकि सहिताय ज

[illegible][illegible]

ऊं नि दधु गऊ मूढा दधय न ॥ ॥ अर्थ मूल ऊव सयूजा ॥ ॥ ऊं ऊं य
 ना साय नम ॥ ऊं ऊं नं नं दिने नम ॥ गिया हूति ॥ य उ हू ॥ न व वलि ॥ ॥
 अर्थ मूल ख व सयूजा ॥ ऊं ऊं य ना साय नम ॥ नं नं ऊं ऊं महा काला य नम
 ॥ गिया हूति ॥ य उ हू ॥ न व वलि ॥ ॥ न त ४ म र ध्व सयूजा काल य ॥ ॥
 ऊं ऊं आक्ष प्र ण क य नम ॥ ऊं ऊं न न ना साय नम ॥ ऊं ऊं क अ साय नम ॥ ऊं
 ऊं ने ना साय नम ॥ ऊं ऊं य ना साय नम ॥ ऊं ऊं क ण ना साय नम ॥ ऊं ऊं क लि का
 साय नम ॥ ऊं ऊं य ना साय नम ॥ न व वलि ॥ ॥ ऊं ऊं य ना साय नम ॥ ऊं ऊं

वृषास्त्राय नमः ॥ ॥ नता धर्मा दियु जा क र्था न् ॥ ॐ ह्रीं धर्माय नमः ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं
 नाय नमः ॥ ॐ ह्रीं नृवे नाय नमः ॥ ॐ ह्रीं नृवे नाय नमः ॥ ॥ आरम्भ दि वृक्ष
 ना नं ॥ ॐ ह्रीं धर्माय नमः ॥ ॐ ह्रीं अरु नाय नमः ॥ ॐ ह्रीं अरु नाय नमः ॥ ॐ ह्रीं अरु नाय नमः ॥
 आय नमः ॥ पूर्वादि उक्त ना नं ॥ वलिं ॥ आवा झ ॥ नं ॐ ह्रीं ह्रीं मा हा नृ य ह्य
 वरे वव स्व भ कि स हि न ॥ हा ग क र ॥ नि ह्य र मृ उ सं ॥ नि हि ना र व
 अण धि य नं क नृ र ॥ ध न मृ डा या मृ ती क र्थ ॥ ॐ ह्रीं वा ॥ ह नं ॥ ॐ ॥
 नता धर्मा नं ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं नृ नृ क व र्क पि न रं च ना ग क र्थ ल र्म पि नं ॥ ॐ

टा रु ट ग मि वृ णं स्व न व र्ण सू न ऊ र्म ॥ वा उ र्मि वृ उ उ र्मि कं ना तु र्म य न
 म ध्व र्म ॥ उ र्मि वा र्म नृ य नृ य ॥ उ म र्म पि नृ ल म व र्म ॥ पि द पि स र्म व र्म क
 रि का अरु मा लि का ॥ न था वा र्म नृ य नृ य ॥ य त्वा र्म य द्र म व र्म ॥ ना र्म ध नृ ना थ
 य र्म क या र्म य क म र्म ॥ स र्म सूर्य र्म का र्म का ल रि ना र्म न य र्म ॥ वृ षा
 स न स मा नृ र्म नृ य नी न न र्म य र्म ॥ र्म र्म नृ य नृ य नृ य र्म का ल सा रि र्म
 ॥ नृ व र्म मा हा द र्म ना य का र्म सू सि धि द ॥ मा न वा र्म रि ना र्म य र्म र्म र्म
 ॥ र्म वि ना र्म ॥ ॐ रि ध्वा न र्म य र्म नमः ॥ ॥ वा उ र्म य र्म र्म र्म ॥ या दा र्म

श्री वं नी य. स्तानी य. यू न त्रा व म नी र्यं न म ॥ ॥ त त ४ द व्या मूल म लु ८ णि या ३
 ति ॥ ॥ ॐ हूं हूं श्री महा नृ त्य ध्व त्र म हा हे त्र वा य डों मूं श्री नृ त्य लक्ष्मी न
 कि स हि ना य न मूं म यू ऊ या मि ॥ णि या ३ ति ॥ ४ ३ ५ ॥ ॥ ॐ हूं हूं ॥ ॥ ॐ हूं हूं ॥ ॥
 ग ना व कु यू जा ॥ ॥ ॐ हूं हूं स धा जा ना य न म ॥ ॐ हूं हूं व वा यू मा द वा य न म ॥
 ॐ हूं हूं त्र न्ना या त्रा य न म ॥ ॐ हूं हूं यं त ल्य या य न म ॥ ॐ हूं हूं ॐ हूं अ ना य न म ॥
 ॐ हूं हूं ॥ ॥ ग ता द व्या द क लार ग्य यू जा ॥ ॐ हूं हूं न न दि न न म ॥ ॐ हूं हूं न
 न य ट य न म ॥ ॐ हूं हूं ॥ ॥ ग ता द व्या द म लार ग्य यू जा ॥ ॐ हूं हूं म हा का ल

य नम ॥ ॐ नमो कौ वट क नाथ य नम ॥ नमो वलि ॥ ॥ नमो दद्या मरुत यूजा क
 र्या ७ ॥ ॥ ॐ कूं रु उ क हे त वा य नम ॥ ॐ कूं पि यू ला न क हे त वा य नम ॥ ॐ कूं
 अग्नि व ना ल हे त वा य नम ॥ ॐ कूं अग्नि जि ह्वा हे त वा य नम ॥ ॐ कूं का ला रु हे त
 वा य नम ॥ ॐ कूं क ला ली न हे त वा य नम ॥ ॐ कूं नु क या द हे त वा य नम ॥ ॐ कूं
 लो म तू हे त वा य नम ॥ नमो वलि ॥ ॥ ॐ कूं व लु म लु त्रा य नम ॥ ॐ कूं सूर्य म
 उ त्रा य नम ॥ ॐ कूं अग्नि म लु ला य नम ॥ नमो वलि ॥ ॥ ॐ कूं मरु दाय
 नम ॥ ॐ कूं य रु व दाय नम ॥ ॐ कूं साम व दाय नम ॥ ॐ कूं अर्थ व दाय न

कथनम ॥ उर्वरलि ॥ ॥ ॐ हूं युधिष्ठिराय नमः ॥ ॐ हूं द्वितीयाय नमः ॥ ॐ हूं तृतीयाय नमः ॥ ॐ हूं चतुर्थीय नमः ॥ ॐ हूं पञ्चमीय नमः ॥ ॐ हूं षष्ठीय नमः ॥ ॐ हूं सप्तमीय नमः ॥ ॐ हूं अष्टमीय नमः ॥ ॐ हूं नवमीय नमः ॥ ॐ हूं दशमीय नमः ॥ ॐ हूं एकादशीय नमः ॥ ॐ हूं द्वादशीय नमः ॥ ॐ हूं त्रयोदशीय नमः ॥ ॐ हूं चतुर्दशीय नमः ॥ ॐ हूं अमावास्याय नमः ॥ ॐ हूं पूर्णमास्याय नमः ॥ ॐ हूं युधिष्ठिराय नमः ॥ ॐ हूं अश्विनीय नमः ॥ ॐ हूं एतरेय नमः ॥ ॐ हूं कृत्तिकाय नमः ॥ ॐ हूं राहिराय नमः ॥ ॐ हूं मृगशिराय नमः ॥ ॐ हूं आर्द्राय नमः ॥ ॐ हूं

धनाये नमः॥ उं हूं कर्कटायै नमः॥ उं हूं सिंहायै नमः॥ उं हूं कन्यायै नमः॥ उं हूं
 तुलायै नमः॥ उं हूं विष्णवे नमः॥ उं हूं धनुष्ये नमः॥ उं हूं मकरायै नमः॥ उं
 हूं कुम्भायै नमः॥ उं हूं मीनायै नमः॥ जर्व वलि॥ ॐ निमेषादित्रासियूजा॥
 उं हूं आदित्यायै नमः॥ उं हूं सोमायै नमः॥ उं हूं अश्विन्यायै नमः॥ उं हूं बुधायै न
 मः॥ उं हूं वरुणायै नमः॥ उं हूं शुक्रायै नमः॥ उं हूं गनेश्यायै नमः॥ उं हूं रा
 हुवायै नमः॥ उं हूं कउहवे नमः॥ जर्व वलि॥ ॐ नि आदित्यादियूजा॥ ॐ
 हूं वर्षादित्राकल्लग्न्यायै नमः॥ उं हूं मित्रादिमूर्द्धन्यायै नमः॥ उं हूं कला

हि नाय नमः॥ ॐ कूं ह्या न क त्रू य म हा ऐ त वा य . अ ह्ना न भ कि स हि ना
य न म ॥ ॐ कूं वं वा ए स्त त्रू य म हा ऐ त वा य . अ वे त्रा रु भ कि स हि ना य
न म ॥ ॐ कूं तूं तूं उ त्रू य म हा ऐ त वा य . अ वे श्व र्य भ कि स हि ना य न
म ॥ ॐ कूं सो सो म्य त्रू य म हा ऐ त वा य . अ ध र्म भ कि स हि ना य न म
॥ ध न न ज वै व लि ॥ ॥ अर्थ ४ न व त्र म यू जा ॥ ॐ कूं भूं भूं जूं वि षु व सर्व
सिद्धि सदा य न म ॥ गृष्म त्र ॥ ॐ कूं हूं हूं हूं हूं य म थो भि फ य मो न द १ न म ॥
हा म्पा ॥ ॐ कूं ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ त्या य व रु पा न य न द २ कूं हूं हूं न म ॥ बी न ॥

ॐ हूं वक्रान् वायु यूरुषाय सर्वला क पिनाम हाय नायात्रिय अनमा
मङ्गल ॥ ॐ हूं सर्व विद्ये विनायक उरुयाय सर्व कामयदाय हूं न्रयात्रा
य. महाकालाय नमः ॥ वीरहा ॥ ॥ ॐ हूं नमो हनय. युतय प्रिवृता
य. हनदुदियाय. कालत्रयिन स्वाहा ॥ हयानक ॥ ॥ ॐ हूं नमो हनव
न. तूडाय. कारध्वत्राय. नमो आति ४ यनं नमय सिद्धि तूडा. क्लायय. सिद्धि
दहि स्वाहा ॥ गोद ॥ ॥ ॐ हूं यमाय दउ हस्त्राय. सर्व समाय. हूं हूं हूं यं
यं यं नमः ॥ कतूत ॥ ॥ ॐ हूं सोम्याय नमः ॥ २ ॥ नमः ॥ ॥ चर्वव

लि ॥ ॥ नन ४ दया. दकलारव्ययूजनं ॥ ॥ ॐ हूं रमो नवयनयवि
प्रव्यत्राय विनायकाय नमः ॥ चर्ववलि ॥ ॥ नन ४ दया. वामलारव्य
यूजनं ॥ ॥ ॐ हूं श्रीजोवरुकाय. विद्याप्रिययनमः ॥ चर्ववलि
॥ ॥ ननादया. मरव्ययूजाकुर्या ७ ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ नृत्याप्रियन
य. सकल उवन. वन्दिताय. नालुवयियाय. सर्व सिद्धियदाय.
महादवाय हूं हूं हूं रुट स्वाहा ॥ शिखाल ॥ ३ ॥ यउमः ॥ चर्वव
लि ॥ ॥ ॐ हूं श्री महा नृत्यवत्रमहा हनवाय जो मूं नृ

लघूजा ॥ ॐ हूं नं व नी समू हं य ता ला य न म ॥ शि या हू लि ॥ न वं व लि
॥ ॥ न ना ऊ व शि यू जा ॥ ॐ हूं नं दि मं उ रा य न म ॥ शि धा ला ॥ न वं व
लि ॥ ॥ न ना ख व शि यू जा ॥ ॐ हूं म हा का त्र मं उ रा य न म ॥ शि या
हू लि ॥ न वं व लि ॥ ॥ न ना मू त्र उ यू जा ॥ ॐ हूं नं न दि म हा का त्र य
मू त्र जा य न म ॥ शि धा त्र ॥ न वं व लि ॥ ॥ न ना ऊ व व दू लि यू जा ॥ ॐ हूं
कं कौ स ल्या य मं मू त्र मू हं य न म ॥ शि या हू लि ॥ न वं व लि ॥ ॥ न ना ख
व दू लि यू जा ॥ ॐ हूं कं का म ध त्रा य न म ॥ ॐ हूं का हा त्र ॥ ॥ न ना ह

लि यू जा ॥ ॐ हूं कं क हा लि सिं हा त्र न न म ॥ ॥ न ना य म यू जा ॥
ॐ हूं हूं नं न त्रा त्र न सिं हा ना दा य न म ॥ ॥ न ना यं म मा न यू जा ॥
ऊं हूं कि न त्र न म ॥ ॥ न त ४ मू क म यू जा ॥ ॐ हूं श्री स र्व सो रा त्र
ष त्री या दू कं ॥ ॥ न ना ग्रा म ॥ ॐ हूं त्र म्मा य रु ट ॥ ॥ क त्र सा ध न ४
ॐ हूं त्र म्मा य रु ट ४ ॥ ॐ हूं क नि ॥ ॥ य न म ॥ ॐ हूं त्र ना मि का य
स्वा हा ॥ ॐ हूं मे र ध मा ॥ ॐ हूं य व ष ट ॥ ॐ हूं न कू न्या य दू ॥ ॐ हूं जं गु ष
ॐ व ष ट ॥ ॐ हूं त्र म्मा य रु ट ॥ ॐ हूं रुं द या य न म ॥ ॐ हूं गि त्र म्मा हा ॥

नैकी मिषाये वोषट् ॥ नैकी कव नायदुं ॥ नैकी नउ गयाय नम ॥ नैकी गूमा
 यरुट् ॥ ॐ नैकी लो मी न्याम ॥ ध्यान ॥ नैकी वदुं दिशुजा न वनदा रुय धनि
 ही ॥ मोहय नउ गत ॥ सवे ने ला काव स कारिणी ॥ ॐ नैकी ध्यान ॥ ॐ कं काल
 मूरुय ॥ निनेऊ नय ना काय नम ॥ नैकी नम ॥ खाहा ॥ शिवा ॥ मउंऊ ॥ वलि ॥
 थनं जाय रु ॥ ॐ नैकी म कय जा ॥ नैकी द्याय लय जा ॥ मूरुया ग्या म न
 ॐ नैकी श्री माहा नृ लो न मा हा रे न वाय पाद कां ॥ शिवा ॥ ॐ नैकी वलि ॥
 मि ॥ साया न या मे न ॥ ॐ नैकी ॥ नृ लो न मा हा रे न वाय पाद कां ॥ शिवा

[illegible]

कां॥ नै १ वें सें हें हें न न स मा द वी या द कां॥ नै १ लें हें न न स मा लि नी
द वी या द कां॥ नै १ त्र ये ०० कां ॥ कि न म ॥ की या य रू न म कि न म ॥ की
म नु ह वा ये कि या म की न म ॥ नै की क्षो १ स वें ऊ न भा र नी द वी या द कां॥
॥ रू मा र नी द वी या द कां॥ आ वा र ना स वें सें भा र नी मू द द वा य म नू॥ ०० नि
भा र नी य ऊ ॥ **न भा व लि वी य** ॥ अ ऊ ना दि व लि वि य ॥ नै १ अ ऊ न धा य क मू द
०० न वा यी ०० नु मृ कि का ॥ उ ल कां उ य मा न द ध ॥ अ यू सू द न म व व ॥ मृ मृ
का ० य ट क ॥ य व ० या दा न क दं ० क ॥ नै १ वा व ना आ द्या मू य ॥ ओ व धी न

वा द क ॥ नै १ वा दा क व ल य ख त्र १ ग म मू क म व व ॥ य ल ला द ॥ अ लं
व ॥ व लु य ट क का त्र क ॥ क न ना या ऊ का त्रा र्थ ॥ मं का ना ॥ य ट य त्र ॥ ट क वा
गि थ न व ला ज म त्रा ट ट क लि क ॥ अ न का न न दी का त्र ॥ थ धि या द नु क रु
थ ॥ ध न दा ना म क रू थ ॥ य च र अ रु ट का त्र क ॥ वा त्र सिं ह ए का टा र्थ ॥ म म
रा मू त्र म न थ ॥ य म नं त्रा त्र व र थ ॥ व लं वा द त्र य व रू क ॥ अ क रु रु थ
रू ला कं ॥ सु ना रा दू दू का रु थ ॥ दू या न थ य अ मं क रू थ ॥ य अ स न मा रु न ॥
यं वा म म हा रु ग नि ॥ नि धि य द मृ सं कि न ॥ व लु वा द रा या द व ॥ हे त वा र

प्रलह विरं ॥ यथक समुद्रयथ सर्वेषु कथं विन्दुना । नृउलादिमहा
कुरुं कृकात्रार्क न मा म्य हं ॥ नृ ह कौ कौ कृ क ४ नृउत्रादि कृ उ या ला य च
लिं कृ क र खा हा ॥ ॐ नि नृउलादि व लि ॥ ॥ नृ ४ व ती णी या गि नी व लि
॥ नृ व रु म द रु म हा ना सा . दू मू खी सु मू खी व ला ॥ प्र व ती य थ मा या त्रा . सा म्या हा
मा म हा व त्रा ॥ उ या च वि उ या च व . अ जि ना च य त्रा जि ना । महा कृ टा वि त्रू या क्षी
सु स्ता मा का म मा ह का ॥ ऊ न हा त्री च र्म हा त्री . उ क्षा ली षु स्त प्र व ती । यि य
ली यू य हा त्री च . आ सि नी म स्य हा स्य नी ॥ ए ड का ली षु ए ड च . ए ड हा म

ए डिका । दार्णिं म म रु मा त्र टा . क र्ति क या ल धा त्रि णी ॥ दार्णिं म म रु मा त्र टा
सु मू रु म वा स नी । व ती णी म रु य २० नृ ॥ दार्णिं म या गि नी या व लि कृ क
खा हा ॥ ॐ नि व ती णी या गि नी व लि ॥ ॥ नृ ४ स म य व लिं ॥ नृ ४ स व यी २०
य यी भ नि . दार्णिं म या च दार्णिं म व च । कृ ण य कृ ण र्म दा ह . सर्व दि ण्हा म र्म सि ना ॥
या गि नी या न वी त्र टा . सर्व ण्ण स मा न ना ४ ॥ ॐ द य व म हा च कृ . श्री ना र्थ व
प्र दा म म ॥ य ए क्का मा स न द वी . ए त्र या दा च न त्र ना ४ । सर्व सि धि य सा दा म द
वि न र्थ ए व स दा ॥ वी त्रा र्म या गि नी ना च य वि ष कि म हा त ल । नृ ग ण र्क व

लिदवी, समयावालमसके ॥ शुक्तिस्मृतिमनः ४ यष्टि, मांसमदास्ति जीवि
नं । निवृत्तं यमुदृष्टानां या निनी गगनं संकला ॥ देहकादिदृष्टयानि, द
न्निमिर्लंदल विना । निवृत्तं यमुदृष्टानां या निनी गगनं संकला ४ ॥ उं का
त्रादिष्वयया भ, मुयमा लायु किं रिता । उषधाधायु संदा हा, दधसू विद
धसू च ॥ महीयाता लव क्का लु, सर्व स्म नान्न वृत् । या निनी या गयू का
स्मासत्य निष्ठ नि साधका ४ ॥ वीत्रकर्मसू वीत्रज्ञा ४ सत्य निष्ठ नि दव ना ४ ॥
सिद्धो येषू का वाया, साधका किं नि सायिन ॥ न न न वाथ अम वा



2528

ASIA ANTIQVA

थां वास विद्ध न । वा यि कू यो क वृ क्क वा ॥ अक्ष न मा ए प्र गु ल ॥ नाना वृ य
 ध त्री न्य यि वट जा वि वि धा नि व । त य स र्वे यि सं गु ष्ठा व लि ष्ठ क्क नु म
 स दा ॥ स त्र धा ग ना य्य हं न षा स र्वे म न लु लं य दं । या ल वृं उ न्न या क म्
 य ल्क लि का मि य लु नं ॥ व लि यू ष्यं य दान न सं गु ष्ठा म म त्रि नि का । स र्वे क
 म् नि सि द्ध नु स र्वे दा षा य सा नु म ॥ गि व ष्ठ कि य दान न श्री कू का ना नं न
 मा म्भ हं ॥ ॐ नि कू त्रि का व रि ॥ ॐ कूं कूं कूं कूं कूं य या य व लि ष्ठ क्क र
 सा हा ॥ ॐ कूं वां वां वूं वूं का य व लि ष्ठ क्क र सा हा ॥ ॐ कूं गूं गूं गूं गूं

यद्यवलिं गच्छ २ स्वाहा ॥ ॐ हूं यां यौ यूं सर्वे या विष्णो वलिं गच्छ २
॥ ॐ हूं नं नं नं नं वलिं गच्छ २ स्वाहा ॥ ॐ हूं मं मं मं मं का ना य वलिं गच्छ २
स्वाहा ॥ ॐ हूं सर्वे विष्णु कृष्ण ४ सर्वे हं नं ४ वलिं गच्छ २ स्वाहा ॥ ॐ
हूं स्वस्ति नं कृष्ण या ना य वलिं गच्छ २ स्वाहा ॥ ॐ हूं हूं श्री महा नं य नं प्र महा
हं प्र वा य हं मूं श्री महा नं य ल श्री भक्ति सहि ॥ नाय ॐ मां यू जां वलिं
गच्छ २ स्वाहा ॥ ॐ हूं नं य नं प्र महा हं प्र वा य य नो ड नो डा ति नो डा
य य दी य दी यू का य यू र्मां ना प्र क समय ल नं नं यथा हन २ दह २

यत्र २ मथ २ कृत् २ किन्तु २ यन दूर्गं यन दूर्गं यन काल चितं दूर्गं द
नित्रादि नं सर्वे सत्वं वत् २ वाहि २ यत्र मन्त्र ना मय २ नृ विरुद्धा यय
२ यत्र वज्रं मूं मूं य २ सफ कन नियमन्त्र सयुग् स वाध वा ना न य २
ॐ दं मया यूष्ण धू य दी य य ह्य य वी नान् नृ लि वलि चि मि नं ॐ मां वलिं
गच्छ २ ॐ नृ २ मृ नृ २ ख ख २ स्वाहि २ महा जेम ना विष्णु य महा नं य नृ या य
दमस्य दमसा य ना धं नम ४ हूं हूं हूं हूं हूं स्वाहा ॥ ॐ नि वलि ॥ ॥ यजु म
नादि स क लं स्थ नं द व स्तु पि यो ह्नि स्त्री य क मा ले ॥ तता द व्या द

रमयुता ॥ जें हं तुं हूं य ता सायनम ॥ जें हं तुं हूं नं न दिनमम ॥ विष्णु ॥
॥ ज वं वलि ॥ ॥ ननाद वा वाम ला रमयुता ॥ जें हं तुं हूं मं म हा का ला य नम
॥ शि या पू लि ॥ य उ झ ॥ ज वं व लि ॥ ॥ अर्थ द वा म र ध य उ ता ॥ आ धा ला दि ॥
जें हं तुं हूं आ धा त म क नम ॥ जें हं तुं हूं अ न ना सा य नम ॥ जें हं तुं हूं क र्ण सा य
नम ॥ जें हं तुं हूं न रा सा य नम ॥ जें हं तुं हूं य ण सा य नम ॥ जें हं तुं हूं क म ना
सा य नम ॥ जें हं तुं हूं क र्ण का सा य नम ॥ जें हं तुं हूं य द्रा सा य नम ॥ जें हं तुं हूं
का रा सा य नम ॥ जें हं तुं हूं ... श्री म हा न य ध्व न म हा र त वा

य कां म्हा श्री नृ य ल क्ष्मी म कि म दि ना य नम ॥ शि या पू लि ॥ य उ झ ॥ ज
वं व लि ॥ ॥ नि र्वा न क य ॥ ला क म हा व लि न धू न क ॥ आ वा रु न सा य
न व न ॥ ना क न य र्ण नम ॥ ध नू या नि उ म नू ॥ शि य नृ य मू डा द र्ग य नू ॥
न र्ण न ॥ सा न ॥ तुं म हा आ स लि लं छ र्ण ना ना या य य र्ण न ॥ य न व त्या य य
का नां सा ना र्थ रु स र्ध र्ण नां ॥ ॥ च न्द न ॥ जें हं तुं हूं म ल य र्ण न ॥ च न्द न हा
म हा न लं ॥ वी ल सा क र्ण उ ता वि क ॥ न हू हा य य न म ध्व न ॥ सि न्धु ल ॥ जें य र्ण व
द न क र्ण सा ल र्ण न वी ल र्ण न ॥ न हा य वी न वी न सा ॥ सि न्धु ल व र्ण दा य क

[illegible]

दि सकल उच दो कि नां ॥ अरु मं आदि ॥ य निष्ठा ॥ नूं न याव ह लासक व साय
एवति एवना याव दा कष मं गम याव रक्षे रम गम द्या गगन गलय मि रम यति
द्वी ग रम ४ याव द्वा यि ना की ह त्रिक म स न नृ बंद सि द्धा रु वा नि गा व स्तं ग
क व द्वि स ऊ न य त्रिव नां दान यू जा वि ना दे ४ सू य निष्ठा व न दा एव रु ॥ ॥
ग ना जा य ॥ ॥ हां स्वा हा १० ॥ हां जी स्वा हा १० ॥ रमो स्वा हा १० ॥ यां या नि नि त्या स्वा
हा १० ॥ हुं नं न दि न स्वा हा १० ॥ हुं म हा का ला य स्वा हा १० ॥ उं हूं हूं स्वा हा ५
त्र ४ ॥ जी  स्वा हा धा तु ४ ॥ मा ला ग्री हि स्वा ॥ यं ८ ॥ वा ऊ य

॥ ॐ नमो वा ऊ य न ॥ ॥ स्मार्त य ॥ म सु ल काल य ॥ ॥ न ख सु म सु ली का
श्री सं व र्णा ॥ वि भू ॥ महा मा या ॥ ॐ ह विं ग भ कि त क क सां कि नि कि नि त व र्ण
कि की नी मा ल ऊ र्ण ॥ ॐ द द द सां कु त ल व ग क त वि ख र्ण ॥ या उ ह र्ण व ना द
शु श्रु कं सिं ह ना द ल ल व ल व ल द म न व लं द्या म न र्ण ह न य ना दि ना
ध ग ह ग न न मि र्ण क उ या ल न मा मि ॥ ॥ त क म लिं क लि न विं ग उ व क ली य
का ना व ला द धि त य उ र ल य व नु सू जो द या क न क कां व ल व सु र गो ली ॥ ॐ
ली शु न व नु क ना थ म य न मा मि ॥ ॥ १ ॥ ह ना खा द द द न र्ण स म न ह व र्ण

॥ न र्ण वि ना न का यः ॐ नो नू ॥ ॐ ख उ र्ण ॥ ग न न ग नि ग न सि धि स र्वा र्थ
ल व ॥ ॐ नू म द ग जा र्ण ग स य व न ग न ॥ न र्ण या न क द द र्ण ॥ ॐ नू नू र्ण
ॐ न ल स क ल न वि ख ग न वि धि ना र्ण न म र्ण ॥ ॥ ॐ नू नू नू नू कि या
सा स ल व त न मि ना सा मि या म र्ण ला र्ण ॥ सा र गो ली सा व द र्ण र ग व नि शु र्ण
मा न का य म र्ण ॥ सा व द्या सा व वि भू ग ह ग ल स क ला ॥ ह त वी क उ या ला य
सा न का न क नू या वि वि धि शु त्र व नू या या नि जी र्ण न मा मि ॥ ॥ ४ ॥ क लि का
या ल न द र्ण क र्ण न ग वा द न ॥ सि द्धा र्ण न क र्ण द र्ण म हा का र्ण न मा सु न ॥

॥ स्वयं विमलख्वा वीजा कृत्र ना यत्रां ॥ ७८ ॥ गमनाया ० निलयां वंद्युति
मम्वती ॥ ७९ ॥ शुद्ध आर्त सुसूर्य सुनि क म निमयं येक वरुं गिनर्प मदी
वाकृ पिभूलं उमलुक सहिनं हन नार्थं वृष र्कं निर्यं निर्य यलवं उवि
वत्रलयक काटिलिं गम झ लावं गमु न्द या दि नार्थं नवलस विऊर्यं सर्वन
य खलर्गं ॥ ८० ॥ ॥ गमत्रं मित्रि जानन सक्रूर एष त्रयायु वित्र ॥ ८१ ॥ वी ए
स्या सि रित्र सु नीय एय कृत् मूयादु गमु झ या ॥ ८२ ॥ त्रीडादक विमद न रुसि
न कृ न्न म ॥ ८३ ॥ य गम न्द मित्रा दि र्कं सर्व त्र सात्मक ॥ ८४ ॥ ययु यति गु या त्म दा ह न

य ॥ ८५ ॥ वीत्र वीत्र नत्रा त्रमस ए गवान ॥ ८६ ॥ गमत्र मूरि सु थ ॥ ८७ ॥ गमत्र यत्र
मउ नुदु न नत्र ॥ ८८ ॥ स जाय न न कृ लाम् ॥ ८९ ॥ कोत्र एषं कत्र एष रु स न य रु स न
स वी सु त्रा हा स य नेवं सर्व त्र सा ग्रय गम एव ॥ ९० ॥ श्री रे त्र व र्गं कत्र ॥ ९१ ॥ वजा
ता त्र घत्रा रु सि थ मूत्र जी वी एष कलि लात्र था वं ग र्क ग गिला रु त्री ध निघ
नं सि हा कत्रे ॥ ९२ ॥ कि नत्रे ॥ ९३ ॥ नदी ग द मृ दं ग ना दु नितू ना गा ट थ त्र ए मू त्र ॥
गमु न्द य स एव मयु त्र ग ना मां या उ न्द य थ त्र ॥ ९४ ॥ ॥ गमत्र येव वी त्र
मक ल गु य नि धिं ल मू द धी का ध हा र्म ली म वी ए र्म त्री ड गम न्द न वत्र स

विऊयं नृयमानन्दलावं ॥ किं लासुसुं सुप्रसं नृनरुदवसतं तावुचनृय
 नार्थदवं विरुधनृयं विप्रविप्रुदवं नोमिनिहृदवं ॥ ११ ॥ छुद्वं नृनं सधुचं
 मृनिकमनिमयं हनकयूतकाकि यालोयसापिशूलं उमसु विमिभि
 ववाहनमुककृत्ता ॥ किं लाकायुदयसा मभिधप्रतिप्रकं नागयज्ञायवी
 नं नृदिप्ररुप्रलं मेलुमाला किं हयं यासुं यमककिं नवलसलयर
 नोमिनिहृदवं ॥ १२ ॥ काष्ठाधरुमनाहवां धकलियू वामाङ्गकि ४
 यउ सुदि ४ प्रककसं हप्रनृगदिनं हत्रावसानिर्मिर्नं ॥ ध्यानागक ४

निमात्रलावनविहृ यागमचिग ४ सिद्धिद ४ कालम ४ कलनायका विऊयन
 नृयमन ४ संदूल ॥ १३ ॥ या नोवक कयालमृदुलनल सुकमलाप्रवय ४
 सद्यो हृदकोल हाप्रधवत्राः दवा किं मालासिर्नं विरुद्धो उनिवयसादन
 हयायसं हनय यायाह ४ वलयावसासमय कायालिकागंकल ॥ १४ ॥ सन्म
 नं मत्रमान नृययगणदवना निर्गम ४ योरिउं कारं सिद्धानययुकाकि
 गा ४ ॥ गृष्ठाउगीगुहावासी वृद्धावकदमकं गार्द्धनसचिर्नयाकं नृ
 मावगुहवासिनी ॥ गृद्धाव नृयप्रयाकं हेप्रवामका नहेप्रव ॥ १५ ॥

उन्नमलिकादवा। वा मा र्जय क ल्य य न् ॥ न्न न्ययं य य य य य य मधिकान
कु का द न् । उ न्न व द्वा गिला स्म न्, स्मि नि श्री काम त्रय क ॥ की लि च्छि स्त्रि नी
वृ द्वा ए सिद्धि र्धे व पु सा ग न् पु द्वा र्द न् स्या द व मि । या अ ना ति क ला क म् ॥
षा उ सा धा त्र ह द न्, न्या स कू ट क मं न थ, यू जि र्ग सिद्धि र्द र्द । सु मि षा मि
नि व य न् ॥ १५ ॥ सु ला क लि त व द्वा ॥ १६ ॥ ह ना दे य क व द्वा ॥ १७ ॥ व द्वा
व द्वा क ला ॥ १८ ॥ व क स्म न नि या जि ना ॥ १९ ॥ पु द्वा पु न वि र्ग मि ना
॥ २० ॥ ना व ले त्र व द्वा त्र व क ॥ २१ ॥ का का ग क सु मे त्र न का द रु न का

य क वि र्ग व द्वा । का व द्वा का उ ना र्द न्, का उ उ न क त्र द्वा द वा य न् ।
क ल्या ना ल र्द न्, न न य य न श्री सिद्धि आ र्ण य न्, को दा ना ट क ना य
का वि उ य न्, द वा म द्वा र्द व ॥ २२ ॥ न्नि नृ त्या सिद्धि र्द क ॥ ॥ न्न न द्वा
ग कि, य त्रि म सि न्, म न्नु र्ग र्द न्, न्ना नि मृ य म खि ला, र्ध वि धा न रु र्द ॥ न्न
द्व द्वा सा ध न क ल्, य त्र म स मूर्ति, ना ट य र्ग स क ल सिद्धि क ल् न मा मि ॥ २३ ॥
॥ न म स्तु नि श्च ना य, न दि व द्वा वि धा नि त्या ॥ नृ त्या सिद्धि य दा उ व सो ला
य र्द व द्वा हि म ॥ २४ ॥ ॥ य य वा न त्या दि ॥ ॥ द वा मि र्द द ॥ न र्ध य

[illegible][illegible]

धन धू न का उ। सुग आदि न या ख न मा उ। गय न वा य न। सक न र्क ना म
 नाला या उ न य। सुस्मि क स न य ॥ ध या क व न। ची न म सु त म। य स य नि
 न य ॥ म म्मा न न ॥ न का यु का न। नृ म्भ क न या य ॥ अरु म नु न। ग ल ३ ॥ ह
 न व लि म नु ॥ ॥ अ य स र्व नु य ह ना। य ह ना यु वि स स्मि ता। य ह ना वि
 द्र क र्क र्क। सु न स नु मि वा रू या ॥ ॥ ॐ ह्रीं स र्व वि धि कृ न या। स र्व ह न
 स्था व लिं ग क र स्था हा ॥ भू य दी य। सु य का ल म म न। न या व। वा य क न की
 य ॥ म न रू न स्था य। द व स्म नि। सु ग या ख न मा स्था य ॥ म नु य ॥ ॐ ह्रीं श्री

स न स्था य न म ॥ या द ॥ ॐ ह्रीं वि द्या न स्था य न म ॥ हृ द य ॥ ॐ ह्रीं मि व र
 स्था य न म ॥ मि त्र ग ॥ म न रू ना त वा न स म्भ न नं उ। र्थ स्था य ॥ ॥ ध न
 धू न का उ। सु ग य हि रि न। ग य न वा य न उ। आ वे ग का नि। य र्थ र्ग ध न
 स स्का त या य ॥ अ र्थ। व उ स स्का त या य ॥ अरु म नु न। अ र्थ या ण द क न या
 क नं ॥ ॥ सक ल स्म ल ह र म। सु स्मि क वा य। व द न। सिं दू ल अ क न। दारु
 ल स्था न त य ॥ सु ग आदि न या ख न मा द यू उ ॥ ॥ श्री ना ट म्भ न मूल म
 नु न ॥ ॐ ह्रीं श्री म हा नृ ख म्भ न। म हा रै त वा य डी



[illegible][illegible]

यनम ॥ ॥ का हा प्रयव अ पूजा ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं म हा सा उ प्र वि हू गा
 न ना य पि हू ला य ना य ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं म हा सा उ प्र वि हू गा
 मं धर्वा य सि हा स न क द सि का ध ना स मूर्त य न म ॥ ॥ या न्म य व
 अ पूजा ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं म हा सा उ प्र वि हू गा ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं म हा सा उ प्र वि हू गा
 म क का उ अ पूजा ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं म हा सा उ प्र वि हू गा ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं म हा सा उ प्र वि हू गा
 य न म ॥ ॥ ख वं म क का प्र अ पूजा ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं म हा सा उ प्र वि हू गा ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं म हा सा उ प्र वि हू गा
 स मूर्त य न म ॥ ॥ श्री ना ट ख न म ल म ल न मा न का य उ य र ॥

ॐ हूं हूं हूं हूं हूं श्री म हा नृ य ख न म हा रं त वा य दी म् ॥ श्री नृ य ल द्वा
 म कि स हि ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं म हा नृ य ल द्वा ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं म हा नृ य ल द्वा
 हा ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं म हा नृ य ल द्वा ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं म हा नृ य ल द्वा
 वी ष ट् ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं म हा नृ य ल द्वा ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं म हा नृ य ल द्वा
 मि न स उ य ल य म ल य ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं म हा नृ य ल द्वा ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं म हा नृ य ल द्वा
 श्री म ह न ना नृ य य वा द या नृ ॥ श्री वा ह ना दि स्ता य न व द ना द न
 य र्थ न म ॥ या नि म्हा द र्म य नृ ॥ ॥ ला हा मि स वा द य्वा द न थ व

रमिलसुक्कवक ॥ ॥ ॐ निमयनादिमर्हियूजा ॥ ॥ गतासंयुदा
यवास्यंनका म्रमुमकुनविमकुनयादाव ॥ लाहानिमस्वसिकवा
यावसंयुदायकायदक्षिणसुदिननकाय ॥ श्रीनाटध्वमत्रम
कुयदयावययत्रानकायक ॥ शुभआदिनसकलसंक्रमानकथ
नविय ॥ लंदानकाय ॥ ॥ वैष्णवकासियूजा ॥ चन्द्रनादि ॥ दक्षिण
खडिशालकाय ॥ खडिचननतवक ॥ विष्णुकासिनशुभयहिनिन
सकलसंक्रमक ॥ गाययनिनशुभयमूषनकयालगयनक

॥ आचार्यनमूलमकुयदयाव ॥ मकुय ॥ ॐ कूं कूं श्रीमदानुय
ध्वममहाहैत्रवाययावनमानामदवदरुयायम ॥ नासायंकूं
रुट् ॥ ॥ यलसादुलात्रवकाय ॥ मकुसकलसंक्रम ॥ ॥ गाललव
काय ॥ ॥ अवशिखवशिखत्रवकाय ॥ ॥ अववदूसिख
वदूसित्रवकाय ॥ ॥ अवकाकखवकाकवदूसित्रवकाय
॥ ॥ धवश्यलानवगक ॥ ॥ मकुम्रमुदकाकमिरल
वकाय ॥ ॥ मकुम्रनवकाय ॥ ॥ धनधूनकावसगनस

नमो व. वन. सिंदूर. स. र. ग. ल. स्नान द. व. स्नानि न. व. क. य. र्थ. का. य.
धनं लि. शु. व. वा. य. न. ग. य. न. उ. ग. य. य. न. म. ल. स. क. न. र्थ. व.
न. न. न. व. क. ॥ स्नान वि. य. स. ग. य. ॥ ॥ आ. गि. व. द. ॥ ॥ मूल. सि.
द्धि. र. ल. सा. ध. न. म. ह. नी. वि. स. क. न. य. न. व. न. ॥ ॥ म. ह. नी. य. लि.
का. य. व. क. ॥ ॥ द. व. क. नि. न. व. क. ॥ ध. न. लि. ज. ल. न. व. क. ध. न.
वि. आ. वा. र्थ. ध. म. न. य. ॥ ॥ य. ग. उ. ग. न. व. क. ॥ ॥ स. ग. य. म. र. व. न.
वा. य. न. ग. य. न. य. य. न. म. उ. स. क. ल. द. न. व. क. ॥ ॥ म. ह. नी. य. उ. य.

न. उ. ग. ल. व. का. य. ॥ ॥ म. ह. नी. का. म. द. य. नि. दं. र. का. य. ॥ स. र्थ. ल. य. ॥
ज. ल. य. व. यि. या. थ. ॥ य. गि. स्न. ॥ य. गि. वि. ना. सि. ॥ ॥ मूल. सि. धि. र.
न. सा. ध. न. आ. क. स. स. म. व. का. य. ॥ द. व. स्न. नी. आ. ग. म. स्न. य. ॥ शु. ग. य.
म. र. व. न. र. वा. उ. स. म. व. वि. य. कं. ल. न. स. क. ल. र्थ. ॥ व. य. न. थि. य. मा. न. व.
य. न. म. थि. ल. सा. न. उ. दा. उ. न. य. म. ल. सि. क. स. थि. य. ॥ ध. न. धू. न. का. व. ॥
द. व. का. य. य. य. न. द. य. क. शु. ग. य. य. व. ग. र. का. का. वा. य. क. म. ल. ॥ ॥
ध. नं. लि. ४. उ. उ. मा. न. ४. दू. वा. दा. व. स. सि. क. वा. य. ध. य. द. व. न. ना. य. न.

हाल धन धन काउ। यउमान स्वस्ति कसनय ॥ दक्षिणायक ॥
दत्त ॥ नृमकन ॥ अविमय कलसया ॥ सरणनाथि श्रीगोवर्द्ध ॥
थलिलन लाय नृवनाकन ॥ वीरकलस द्वाय न्वउ ४ ॥ आत्रथि ॥
यूलुवतु ॥ ॥ ॐ निद्वनय जाविधिसमाय ॥ ॥ चिवनवय
दक्षिणायक द्वागिदं ३ ॥ समयविय सकत्रसं ॥ ॥ श्रीउका
न ॥ सकलसं स्नानविय ॥ ॥ वलिरभय ॥ सूर्यसाक्षिथय ॥ ॥
न्यासलिकाय ॥ ॥ दव नमस्का लया दाव लयाखन दूयकाव

कवय ॥ कस गणविद्याव यय अथियकाव यायलनाक ॥ ॥
ॐ निद्यायत्र सिद्धि विधिसमाय ॥ ॥ मूत्रसिद्धि याकसा ॥ कस
कोमालीजाग ॥ दंसर्ग १ साहाय कलं कांन कम्भनृवेन ॥ ॥
धनं लि यदूका दू श्रीनारद्वनसक मनयूजा यादावनय ॥
दंसर्ग १ ॥ ॥ धनं लि नन सात्रा थयसवने ॥ यटवासनयाय
॥ मलुन ३ दूवन ॥ मूययमूयन ॥ लासाल ॥ स्वस्ति कसनसु ख
टजात्रय ॥ नृवकनादि ॥ दीयत्राद्वनका ॥ सरणनाथि ॥ श्री

भावाद् धव २ स रमन वि य ॥ स रं लू य. आ र्थि. यु नि ष्ठा ॥ द व
द्रा या व ॥ खि स म का य क ॥ ना ल न वा न क ॥ मू च म हा न क ॥ श्र
क रू का दू य क ॥ ध न लि. श्री ना ल म्भ र स क. व य. स या दि. खान
वि य. द व न म स्का त या द व ॥ आ खान स. व य ॥ द व दू या व. दि य
ता ॥ ॥ य नू क वि य. व तु वि य न ॥ ॥
१०८ न म ४ श्री ना ट म्भ रा य न म ४ ॥ न ना नृ य सा सा द य क वि धान ॥
व तु ४ वि ध न क ॥ ३०० म न ट सा ना ॥ श्र १०० न ह रु १०८ ॥ म

म न ट सा ला ॥ व तु ४ व वि ह रु ३४ ॥ क नि द न ट सा ना. द्वा रिं म ३२
ह रु ॥ सा मा य न ट सा ना ॥ वि म नि २० ॥ क म न. व क. क वि. वे स. स
३ ॥ व तु वि ध ॥ अ थ ४ न म्भ सा स्का त वि धि ॥ वि दू ट ॥ व तु न म ॥ १०८
॥ स र व सा मा य ॥ य थ म सा ध न क. ला ॥ ला ग न वि य न ॥ अ थ ४ वा मु
य मा न ॥ अ वि. की न क. क या ना नि. न न. सु ल्मा नि. सा ध य न ॥ ॥
य म न का त य न य न ॥ य थ न क. यार न. लु क. सूर. य सा ल य न
का द व तु व वि का त य न ॥ य थ वि धि वि धान न. वा मु यू जी का त

यत् ॥ कृष्णं वा रणेन वा, हृमिकर्तुं वा, नृपमलुय ॥ ॥ नमो रव
मा स्मायन ॥ यत् ॥ वृक्षं न सुम् ॥ सुकृ गन्धमा ल्य, स्वर्गु गह ॥ क
लु रत्र न नय ऊ यत् ॥ दक्षि रय कपि सुम् ॥ न क मा ल्यो न न य यत्
॥ नासु गह ॥ यस्मि म ॥ वे स्य सुम् ॥ यी ना य वा न ॥ गह न ऊट ॥ उ
रु न ॥ सुड सुम् ॥ नी ला य वा न ॥ स्वर्गु गह गह ॥ न ला क दि ग रव
म् स्मा य यत् ॥ ॥ स वृषां स्वर्गु गह का न यत् ॥ यथा र व लु न उ
य वा ल ॥ ॥ न ना नि ल्या न म् ॥ यथ म, यं वा य वा न, यूजां स क ल्य

यत् ॥ ॥ वाक् सुम् ॥ य ऊ मा न स्या म् क न ल्य क था य व म् म र्थ, नृ य म्
न र द्य न क य ल्य य वा न यूजा नि मि ल्य र्थ वाक् ॥ ॥ अथ ४ क सु स्मा न
क्रिया ॥ उवा का ल, नी र्थ द क ग हि ल्या ॥ क र्म यू न यत् ॥ क र्म लु य द
व ता र म् स्मा य यत् ॥ म र्ध म् क क क न क गह ॥ द व, द क्षि रय, वि ड
म, स्वर्गु गह ॥ द व, वा म, ना जा व र्ण न, स्वर्गु गह ॥ स्व न व लु, न नू ना
क न, नृ लो र्ण न, क लु य र्थ, नृ लु य क न, य न त्रिं व द्धा क ल र्थ य त्रि
स्मा य यत् ॥ न व म र्ध, यथा र व लु व लु व द्धा ॥ स्मा य यत् ॥ ॥ न ना य

वायवात्रयूजां कालयन् ॥ पित्रात्रयम् ॥ अथादि वाक् ॥ यथा विधिद
वाश्चनं कात्रयन् ॥ दर्वकलसायत्रि आवाहय ॥ वलिदद्यात् ॥ धूय
दीय जाय सुग ॥ यमुनय्येन ॥ असादस्य ॥ दक्षिण ॥ उका नका ॥ द
वमित्रयूय कलसायत्रि स्थाययन् ॥ वलि विसर्जन ॥ कसुसंउक्ता
ययन् ॥ वसुना स्थाय ॥ कुमन नमने ॥ यथेनायेन किंत्वा २ गमय
न् ॥ नृस्य सात्रा वाक् किंत्वा ॥ आचार्यन नृवं कनादि ॥ दीय आह
वका यदनादि अति वीद ॥ धीसंवर्त्त सुगन यथा धात्रया दव

मानीय ॥ नृस्य सात्रा मरक्ष सस्मि कासना किंत्वा ॥ ॥ गन ४ दवना
सन पिमलुन कात्रयन् ॥ मलुन मरक्ष उक्तु उक्तात्रन कात्रयन् ॥ क
व सिद्धार्थ नाका अकन सात्रिन नूत्र नागयय्य प्रियं सु च नव
रुन अलिङ्ग ॥ मरक्ष अक्षयय्य वाक् वाउ सदत्र वउत्रमु वउ
दात्र ॥ वामदक्षिण अक्षयय्य लिखयत्वा ॥ कलसाय लिङ्गि न दर्व्य
ययन् ॥ स्वर कलसादकन स्नान कालयन् ॥ आकाश ॥ नस्था य
त्रि मलुन अलिङ्गन् ॥ ३ ॥ स्व स्वय न लिङ्गि न नद्वर्त्त आययन्

॥ संक्षय ॥ यं याय यात्र यूजा कात्रय नू ॥ ७ ॥ तमा ऊ ऊं लि यूजा मात्र
य ॥ मूत्रमक्त न यू ऊ य नू ॥ ३ ॥ य उं न ॥ उ वं व लि ॥ मूडा ॥ ॥
ॐ नि ऊ ऊं लि यूजा ॥ ७ ॥ धूय दीय ने या य ऊय मू ॥ त य
न ॥ नू न य न कात्रय नू ॥ सुख द व य ॥ संय दाय अरि स य क
ल सा द क न वं न नादि स र ग ना र्थि आ सि द्वा द ॥ यु नि द्वा ॥ ऊ ऊ
लि वि स ऊ न ॥ अ य या उ दाय य न ॥ सु सु अन धात्रय नू ॥ ॥ अर्थ
मात्र मू द न को न लादि सर्व वो र्थ वा ऊ य नू ॥ द व ये ना मं का

लय न ॥ य अ सु द्वा द दि अ का ल य नू ॥ मया दि ॥ नू का न क ॥
खान वि य सक त र्म ॥ ॥ व लि वि स ऊ न ॥ सूर्य अ दि अ य ॥ क
मा द क न ॥ ॥ ॐ नि नि लात्र म य नि द्वा स मा र्क ॥ ॥
तं ग नि सर्व रु ना नां स कि त्वं न व ना व न ॥ नू न अ त न रु ना नां द
क्ष म्बं य त म य वी ॥ क म ना म न सा वा या त त्वं ला दि ग नी म म ॥ म
नु ही नं द या ही नं उ य ही नं उ य लु नं ॥ ऊ य यू जा च न ही नं द नं
नि ह म या त व ॥ अ द नं वा ऊ ही नं लु नू यू त य त म य त ॥ ॥

१५४ ॐ दं यस्मै कं वायि. लाह माह कना नायि । यस्मै महायान कं तु.
रवनि नाउ सं भय ४॥ ७ ॥ संवत्सत्र माह का. ज्मि. य न व मा
स. वैष्णव सिन. भ मि दिन. यू र्जि मा यां. न न्यस्मै कं यस्मै सि विन.
सलिनायू ल स्मै भ गृह. क म्मा वा र्य. मू कं तु सि ह ॥ ४॥ ४॥
१५५ ॐ न ८१४ वैष्णव कृ. यू र्जि मा ॥ विण न दं ७ ॥ सोम वा व सत् ॥
न न्यस्मै कं यस्मै सि विन. सलिनायू ल स्मै भ गृह क म्मा वा र्य. म दी तु
सिंह. स्थ दि नित्य यू ७. म कृ तु सिंह न. य वा य ७ ४ य ४॥

१५६ ॐ नमो नृत्तनाथाय नमः ॥

















